◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

NEED24 NEWS
हर ख़बर, हर शहर

नीड 24 न्यूज़

हर खबर, हर शहर

◆ ADVT ◆
यहाँ विज्ञापन दें
98700 06472 · need24.digital

DIGITAL E-PAPER

PRGI APPLICATION UNDER PROCESS
Application No. T/GJ/2026/0619/2304/1577

GST
GSTIN 24CINPG0564Q1ZT

UDYAM REGISTERED
UDYAM-GJ-14-0003714

◆ DIGITAL NEWS NETWORK ◆
भारत का भरोसेमंद बहुभाषी डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क
11+ Languages | 24×7 Live | e-Paper Daily

हमारा App डाउनलोड करें
Download on the App Store
GET IT ON Google Play

www.need24.digital
info@need24.in
+91 98700 06472
FOLLOW US:

तेज़ | सटीक | निष्पक्ष | जनहित में | सच की आवाज़ | जन-जन की आवाज़ | निडर पत्रकारिता

देश

नई दिल्ली में 13 नवंबर को मौलाना आज़ाद के विचारों पर राष्ट्रीय सेमिनार



राष्ट्रीय शिक्षा मंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के विचारों को स्मरण करते हुए 13 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के इंडिया भवन में एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

सेमिनार का विषय “मौलाना आज़ाद और आज का भारत” रखा गया है, जिसमें शिक्षा, राष्ट्रीय एकता, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्य और सांप्रदायिक सौहार्द जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

एआईसीसी के अल्पसंख्यक विभाग ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया है और असम प्रभारी इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग विशेष सहभागिता करेंगे, जिन्होंने इस विचार-विमर्श को समावेशी भारत निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

इस मंच पर मौलाना आज़ाद के दूरदर्शी विचारों की आज के भारत में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला जाएगा और नई पीढ़ी को शिक्षित, जागरूक और एकजुट रहने की प्रेरणा प्रदान की जाएगी।

— Sajjad Alam, नई दिल्ली

राजनीति

इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग ने असम में राष्ट्रीय विचार-विमर्श को शिक्षा, एकता और समावेशी भारत के निर्माण हेतु महत्वपूर्ण बताया



इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग, असम प्रभारी, A I C C अल्पसंख्यक विभाग ने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय विचार-विमर्श शिक्षा, एकता और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि इस प्रकार की चर्चा से अल्पसंख्यक समुदायों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने में मदद मिलती है, जिससे सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलता है।

यह बयान A I C C की समावेशी नीतियों और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के प्रयासों को रेखांकित करता है।

— Sajjad Alam

देश

मौलाना आज़ाद के विचारों पर 13 नवंबर को नई दिल्ली में होगा राष्ट्रीय सेमिनार



देश के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के विचारों, उनकी दूरदर्शिता और शिक्षा के प्रति समर्पण को याद करते हुए 13 नवंबर 2026, शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का विषय 'मौलाना आज़ाद और आज का भारत' रखा गया है, जिसमें उनके विचारों की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता पर गहन चर्चा होगी।

इस राष्ट्रीय विचार-विमर्श का आयोजन AICC के अल्पसंख्यक विभाग की ओर से नई दिल्ली स्थित इंडिया भवन में किया जा रहा है। कार्यक्रम में इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग, जो AICC अल्पसंख्यक विभाग के असम प्रभारी हैं, की विशेष उपस्थिति एवं सहभागिता रहेगी।

इस अवसर पर शिक्षा, राष्ट्रीय एकता, भाईचारे, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और सांप्रदायिक सौहार्द जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग ने इस राष्ट्रीय सेमिनार को शिक्षा, एकता और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मौलाना आज़ाद का जीवन और उनके विचार आज भी देश की नई पीढ़ी को शिक्षित, जागरूक और एकजुट रहने की प्रेरणा देते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को उजागर करने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा।

— Sajjad Alam, नई दिल्ली

देश

नई दिल्ली में 13 नवंबर को मौलाना आज़ाद के विचारों पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन



मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के विचारों, उनकी दूरदर्शिता, शिक्षा के प्रति समर्पण और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में इंजीनियर मोहम्मद असलम अलीग की विशेष उपस्थिति और सहभागिता रहने वाली है।

इस राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन अल्पसंख्यक विभाग, AICC द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 13 नवंबर 2026, शुक्रवार को होगी और इसका स्थल इंडिया भवन, AICC, नई दिल्ली निर्धारित किया गया है।

मौलाना आज़ाद के जीवन से शिक्षा, एकता, भाईचारे, संविधान और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश मिलता है। आयोजकों का मानना है कि आज के भारत में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श करना समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इस राष्ट्रीय विचार-विमर्श के माध्यम से एक मजबूत, शिक्षित, समावेशी एवं लोकतांत्रिक भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया गया है।

— Sajjad Alam, नई दिल्ली

राजनीति

अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र को मिलेगी नई औद्योगिक सौगात, उत्पादन इकाई का लोकार्पण



नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देने की दिशा में अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। यहां स्थापित उत्पादन इकाई का लोकार्पण 12 नवंबर 2026, गुरुवार को निर्धारित कार्यक्रम के तहत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सहभागिता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रखी गई। प्राप्त कार्यक्रम विवरण के अनुसार, लोकार्पण समारोह सुबह 10:45 बजे नई दिल्ली से आयोजित होना निर्धारित था। अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन इकाई का शुभारंभ प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पहल से औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन क्षमता के विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। प्रदेश सरकार लगातार औद्योगिक विकास और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में प्रयासरत है। अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन इकाई का लोकार्पण मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

— Pankaj Gupta, नई दिल्ली

राजनीति

प्रेस रिलीज से इंस्टा रील तक बदला मीडिया का स्वरूप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साझा किया पुराना अनुभव



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मीडिया संवाद कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के बदलते स्वरूप और अपने पुराने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह समय के साथ समाचार और सूचना प्रसारित करने के माध्यमों में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आज प्रेस रिलीज से लेकर इंस्टाग्राम रील तक मीडिया का सफर काफी बदल चुका है। उन्होंने 90 के दशक की शुरुआत का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय उन्हें देशभर में दो बड़ी यात्राओं की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ऐसा दौर था, जब एक प्रेस रिलीज भेजने के लिए भी फैक्स मशीन तलाशनी पड़ती थी। उस समय सूचना और संदेश पहुंचाने के साधन सीमित थे, जबकि आज डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया ने संचार की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है।

प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य में मीडिया के बदलते दौर, तकनीकी विकास और संचार माध्यमों की यात्रा की झलक देखने को मिली।

— Pankaj Gupta, नई दिल्ली

सोनिया गांधी की किताब पर बीजेपी का हमला

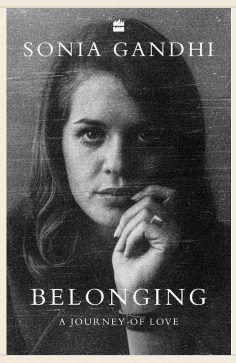

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब ‘Belonging: A Journey of Love’ के प्रकाशित होते ही राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने किताब में लिखी गई कई बातों और ऐतिहासिक घटनाओं के विवरण पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस और गांधी परिवार को घेरा है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने किताब की आलोचना करते हुए कहा कि इसका नाम ‘बिलॉन्गिंग’ की जगह ‘व्हाइटवॉशिंग’ होना चाहिए था। उनका आरोप है कि किताब में नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस शासनकाल से जुड़े विवादित ऐतिहासिक प्रसंगों को नरम तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश की गई है।

वहीं, किताब में दर्ज कुछ ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, गुजरात की राजधानी अहमदाबाद बताए जाने, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की स्थापना का वर्ष 1921 लिखे जाने, पूर्व कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन का वर्ष 2022 बताए जाने और अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की शुरुआत 2012 बताने जैसी गलतियां सामने आई हैं। जबकि इन घटनाओं से जुड़े सही तथ्य क्रमशः गांधीनगर, 1925, 25 नवंबर 2020 और 2011 हैं।

बीजेपी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों, आपातकाल और बाबरी मस्जिद से जुड़े सोनिया गांधी के विचारों पर भी सवाल खड़े किए हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस की ओर से बीजेपी की आलोचना को राजनीतिक हमला बताया गया है।

कुल मिलाकर सोनिया गांधी की इस किताब ने एक बार फिर कांग्रेस और बीजेपी के बीच राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। अब सवाल यह है कि किताब में सामने आई तथ्यात्मक विसंगतियों पर प्रकाशक या लेखिका की ओर से कोई स्पष्टीकरण दिया जाता है या नहीं।

— Rajeev Kumar Sharma

थर्म

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने परिवार के साथ मनाया भाई दूज का पर्व, भाई-बहन के प्रेम और रिश्तों के महत्व का दिया संदेश।



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने परिवार के साथ भाई दूज का पावन पर्व हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर उन्होंने अपनों के साथ त्योहार मनाने की खुशी साझा करते हुए कहा कि परिवार के बीच त्योहार मनाने का आनंद ही कुछ और होता है। यही अपनापन और स्नेह हमारे रिश्तों की सबसे बड़ी खूबसूरती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाई दूज को सनातन संस्कृति की एक सुंदर और महत्वपूर्ण परंपरा बताते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और परिवार के आपसी जुड़ाव को और अधिक मजबूत करता है। ऐसे त्योहार हमें अपने पारिवारिक रिश्तों के महत्व का एहसास कराते हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि हर परिवार में प्रेम, खुशियां और समृद्धि बनी रहे तथा भाई-बहन का यह पवित्र रिश्ता सदैव स्नेह, विश्वास और अपनत्व से भरा रहे।

— Pankaj Gupta, नई दिल्ली

नई दिल्ली में डाक विभाग की प्रस्तावित एक दिवसीय हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय



डाक विभाग और AIGDSU के प्रतिनिधिमंडल के बीच नई दिल्ली के डाक भवन में आज हुई बैठक के बाद, विभाग ने 12 नवंबर 2026 को प्रस्तावित एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया।

इस निर्णय का आधार विभाग द्वारा दिए गए सकारात्मक आश्वासनों को माना गया है, जो यूनियन के सामने आने वाली ऑनलाइन सदस्यता सत्यापन प्रक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियों को सुलझाने में सहायक होंगे।

NFPE फेडरेशन के महासचिव श्री पियू कडासे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के सहयोग, समर्थन और सक्रिय लामबंदी की विशेष सराहना की गई, तथा AIGDSU केंद्रीय मुख्यालय, सर्किल, मंडलीय और शाखा सचिवों सहित सभी सक्रिय सदस्यों को धन्यवाद दिया गया।

हड़ताल स्थगित करने का अर्थ यह नहीं है कि संघर्ष समाप्त हुआ है; बल्कि यह यूनियन के मुद्दों को आगे बढ़ाने और कर्मचारियों की स्थिति को मजबूत करने के लिए एकजुटता और संगठनात्मक सहयोग को जारी रखने का संकेत है।

— शत्रुघन चौधरी, नई दिल्ली

स्थानीय

नई प्रदूषण नियम से 2028 से N1 वाहनों पर सख्त टेस्टिंग अनिवार्य

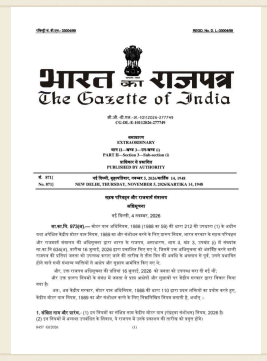

2028 से ऑटो कंपनियों पर सख्त होंगे प्रदूषण नियम, N1 वाहनों की रियल रोड टेस्टिंग अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने की दिशा में ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए नए उत्सर्जन नियम जारी किए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने केंद्रीय मोटर वाहन नियमों में 15वां संशोधन अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत वाहन कंपनियों को इंजन टेस्टिंग, उत्सर्जन नियंत्रण और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया में बदलाव करना होगा।

नए प्रावधानों के अनुसार, 1 अप्रैल 2028 से निर्मित होने वाले सभी नए N1 श्रेणी के वाहन मॉडलों के लिए BS-VI WLTP उत्सर्जन मानकों के तहत परीक्षण लागू होगा।

नए नियमों में ये होंगे प्रमुख बदलाव

1. वाहनों में OBD सिस्टम के जरिए उत्सर्जन नियंत्रण की निगरानी अनिवार्य होगी।

2. PEMS तकनीक से वास्तविक सड़क परिस्थितियों में वाहनों के प्रदूषण की जांच की जाएगी।

3. पेट्रोल वाहनों का E20 ईंधन के अनुरूप सर्टिफिकेशन जरूरी होगा।

4. E85 और E100 ईंधन के अनुकूल वाहनों पर संबंधित स्टिकर लगाना होगा।

5. वाहन कंपनियों को 1.60 लाख किलोमीटर का एजिंग टेस्ट या निर्धारित बेंच टेस्ट का विकल्प मिलेगा।

6. CNG वाहनों के लिए G20, GR और G23 रेफरेंस फ्यूल से जुड़े नए परीक्षण मानक लागू होंगे।

ऑटो कंपनियों की बढ़ेगी जिम्मेदारी

कंपनियों को वाहन निर्माण के दौरान इंजन तकनीक, ईंधन अनुकूलता और प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली पर विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही वाहनों की वास्तविक सड़क परिस्थितियों में जांच और प्रमाणन प्रक्रिया भी पहले से अधिक सख्त होगी।

सरकार का उद्देश्य वाहनों से निकलने वाले हानिकारक उत्सर्जन को कम करना और देश में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। इन बदलावों का असर आने वाले समय में वाहन निर्माताओं के साथ-साथ नए वाहन मॉडलों पर भी देखने को मिल सकता है।

— शैलेष गुप्ता महाजन

स्थानीय

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2025 IPS अधिकारियों से मुलाकात कर राष्ट्रसेवा का संदेश दिया



दिल्ली | राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 2025 बैच के IPS अधिकारियों से की मुलाकात, युवाओं को दिया राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन में भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने युवा पुलिस अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के प्रति पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करने का संदेश दिया।

राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और देश की सेवा से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। पुलिस अधिकारियों का व्यवहार आम नागरिकों के प्रति संवेदनशील, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण होना चाहिए।

उन्होंने युवा अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपने पद और अधिकारों का इस्तेमाल जनहित में करें तथा समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद वर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। बदलते समय में साइबर अपराध, तकनीकी चुनौतियों और आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और कानून के शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखें। साथ ही पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पर विशेष ध्यान दें।

इस मुलाकात ने देश की युवा पुलिस नेतृत्व पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, अनुशासन, ईमानदारी और जनविश्वास को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी।

जनहित की खबर, जनता की आवाज!

शैलेष गुप्ता महाजन, जिला न्यूज़ रिपोर्टर

Need24 News Etah UP

— शैलेष गुप्ता महाजन, नई दिल्ली

राजनीति

आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता हूडा जरीवाला की नई दिल्ली में चिराग पासवान से मुलाकात



नई दिल्ली में आज आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता हूडा जरीवाला जी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी से मुलाकात की।

इस बैठक में दोनों पक्षों ने आपसी विचार-विमर्श किया और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुलाकात के बाद दोनों ने सहयोग और संवाद को जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मौसम

CPCB ने बताया क्यों 500 की AQI सीमा ने दिल्ली के तीव्र दिवाली धुंध को छुपा दिया

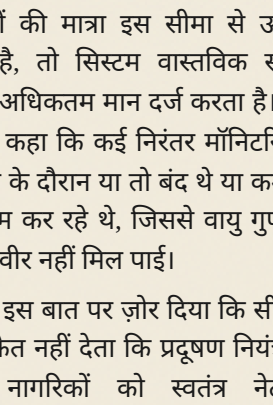

दिवाली के दौरान दिल्ली में वायु गुणवत्ता तेज़ी से बिगड़ी, उपग्रह डेटा और स्वतंत्र सेंसरों ने बतलाया कि कण पदार्थों की मात्रा राष्ट्रीय सुरक्षित सीमा से बहुत अधिक थी। जबकि आधिकारिक पोर्टलों पर AQI मान 500 तक सीमित दिखाया गया, सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) ने अब बताया कि इस आंकड़े में वास्तविक धुंध के शिखर को क्यों नहीं दिखाया गया।

CPCB के अनुसार, AQI रिपोर्टिंग प्रणाली को संख्यात्मक ओवरफ़्लो से बचाने के लिये 500 पर ही मान को सीमित किया गया है। जब प्रदूषकों की मात्रा इस सीमा से ऊपर चली जाती है, तो सिस्टम वास्तविक सांद्रता के बजाय अधिकतम मान दर्ज करता है। साथ ही, बोर्ड ने कहा कि कई निरंतर मॉनिटरिंग स्टेशन दिवाली के दौरान या तो बंद थे या कम आवृत्ति पर काम कर रहे थे, जिससे वायु गुणवत्ता की पूरी तस्वीर नहीं मिल पाई।

बोर्ड ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सीमित मान यह संकेत नहीं देता कि प्रदूषण नियंत्रण में है। उसने नागरिकों को स्वतंत्र नेटवर्क से वास्तविक-समय डेटा पर भरोसा करने और स्वास्थ्य सलाह का पालन करने की सलाह दी, जब तक कि व्यापक माप पुनर्स्थापित न हो जाए। CPCB ने भविष्य में उच्च-प्रदूषण स्थितियों में डेटा प्रवाह निरंतर रखने के लिये अपने मॉनिटरिंग बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने की योजना भी घोषित की।

अपराध

दिल्ली में छत से गिरकर फोटोग्राफर की मौत



दिल्ली में एक फोटोग्राफर छत से गिरने के बाद मर गया। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी, जैसे स्थान और गिरने के कारण, अभी तक सीमित हैं। अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं ताकि दुर्घटना का सही कारण पता चल सके। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना कार्यस्थल सुरक्षा उपायों के महत्व की याद दिलाती है, खासकर निर्माण और ऊंची इमारतों में।

विदेश

लंदन की हवा में बिगड़ती गुणवत्ता, दिल्ली के प्रदूषण से तुलना



यूनाइटेड किंगडम के वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग एजेंसियों ने पिछले कुछ हफ़्तों में लंदन में सूक्ष्म कण और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड की मात्रा में स्पष्ट वृद्धि दर्ज की है। इस बढ़ोतरी से शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स ‘मॉडरेट’ से ‘संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ’ स्तर तक पहुंच गया है, जिससे श्वसन रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

लंदन में यह गिरावट भारत की राजधानी नई दिल्ली के लगातार प्रदूषण से तुलना में एक तीव्र अंतर दर्शाती है। जहाँ लंदन में यह वृद्धि हालिया सुधार के रुझान का उलटा है, वहीं दिल्ली में वायु गुणवत्ता अक्सर ‘अस्वस्थ’ या ‘बहुत अस्वस्थ’ श्रेणी में रहती है, मुख्यतः ट्रैफ़िक, औद्योगिक उत्सर्जन और मौसमी कृषि जलाने के कारण।

हवा की गति जैसे मौसमीय कारक लंदन में अस्थायी रूप से प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं, जबकि दिल्ली में शहरी घनत्व और मौसमी कारकों का संयोजन समस्या को गहरा बनाता है। दोनों शहरों ने नागरिकों को पिक-ऑफ़ समय में बाहर जाने से बचने और आवश्यक होने पर मास्क पहनने की सलाह दी है।

लंदन के प्राधिकरण ट्रैफ़िक प्रतिबंधों की समीक्षा कर रहे हैं और कम-उत्सर्जन सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दे रहे हैं, जबकि दिल्ली के पर्यावरण विभाग दीर्घकालिक उपायों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसमें कड़े वाहन मानक और हरित क्षेत्रों का विस्तार शामिल है।

राजनीति

दिल्ली सीएम गुप्ता ने मणिपुर चुनाव पैनल में कांग्रेस के दोहरे मानदंडों पर किया आरोप



दिल्ली के मुख्यमंत्री गुप्ता ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि मणिपुर चुनाव पैनल में अकोइजाम को नियुक्त करना दोहरे मानदंडों का प्रमाण है।

गुप्ता के कार्यालय के बयान में बताया गया कि पार्टी ने आंतरिक लोकतंत्र के सिद्धांतों का उल्लेख किया है, परंतु इस नियुक्ति में वही सिद्धांत लागू नहीं हो रहे हैं, जिससे पार्टी की सच्ची प्रतिबद्धता पर सवाल उठता है।

यह टिप्पणी आगामी मणिपुर चुनावों के संदर्भ में आई है, जहाँ चुनाव पैनल की संरचना को निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभी तक कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

टेक्नोलॉजी

आईआईआईटी दिल्ली ने दृष्टिबाधित यात्रियों के लिए रास्ता-निर्देशन प्रणाली शुरू की



दिल्ली – भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक स्थानों में आसान नेविगेशन प्रदान करने हेतु एक विशेष रास्ता-निर्देशन समाधान विकसित करने की योजना की घोषणा की। संस्थान ने बताया कि यह पहल टैक्टाइल, ऑडियो या डिजिटल संकेतों के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को मार्गदर्शन देगी, जिससे सहायता पर निर्भरता कम होगी।

अधिकारियों ने कहा कि यह परियोजना दिल्ली के ट्रांसपोर्ट हब, सरकारी इमारतों और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लागू की जाएगी। मौजूदा सहायक प्रौद्योगिकी शोध को आधार बनाकर आईआईआईटी एक ऐसा मॉडल तैयार करना चाहता है जिसे अन्य शहर भी अपनाएँ।

संस्थान ने बताया कि वह विकलांग अधिकार समूहों और प्रौद्योगिकी साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि समाधान वास्तविक जरूरतों को पूरा करे। जबकि कार्यान्वयन की समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं हुई है, यह घोषणा दिल्ली में समावेशी बुनियादी ढाँचे के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस कदम को व्यापक पहुँच सुधारों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जो दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने वाली राष्ट्रीय नीतियों के अनुरूप है।

बुरारी में सिर पर चोट से हुई महिला की हत्या; पुलिस जांच जारी

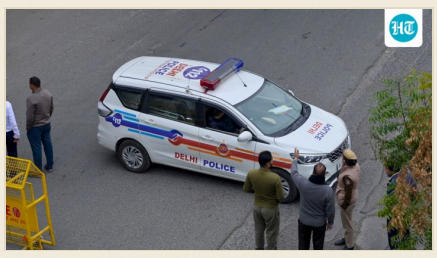

बुरारी, दिल्ली के एक आवासीय क्षेत्र में एक महिला का शव मिला, जहाँ अधिकारियों ने बताया कि पीड़िता को सिर पर घातक चोट लगी थी। उसकी मृत्यु की सूचना मंगलवार शाम को स्थानीय पुलिस को मिली। जाँचकर्ता आसपास के कैमरों के निगरानी फुटेज को देख रहे हैं ताकि यह पता चल सके कि उसके साथ आखिरी बार किसे देखा गया था। पुलिस किसी भी गवाह से आगे आने का आग्रह कर रही है और घटना का समय-रेखा स्थापित करने पर काम कर रही है।

शिक्षा

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष छात्राओं पर संगति के बदले नकद व टिकट देने का आरोप



दिल्ली विश्वविद्यालय में एक विवाद उत्पन्न हुआ है, जब सोशल मीडिया पर यह खबर आई कि कुछ प्रथम वर्ष छात्राएँ वरिष्ठ छात्रों को संगति के बदले नकद और कार्यक्रमों के टिकट देने का प्रस्ताव रख रही थीं। विश्वविद्यालय ने इस बात की पुष्टि नहीं की, पर एक बयान जारी कर कहा कि इस मामले की पूरी जाँच की जा रही है और बिना पुष्टि के जानकारी फैलाने से बचने की अपील की गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, इन प्रस्तावों में वित्तीय प्रतिफल और संगीत या खेल कार्यक्रमों के टिकट शामिल थे। विश्वविद्यालय ने कहा कि ऐसी लेन-देनात्मक संबंध संस्थान के आचार संहिता के विरुद्ध हैं और यदि साक्ष्य सामने आए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र मामलों के विभाग ने औपचारिक जांच शुरू करने की घोषणा की है और सभी छात्रों के कल्याण की रक्षा हेतु पारदर्शी प्रक्रिया की मांग की है। छात्र समूह भी इस मुद्दे पर स्पष्टता और नैतिक मानकों को सुदृढ़ करने की माँग कर रहे हैं।

यह घटना देश के शैक्षणिक संस्थानों में कैंपस संस्कृति और नैतिक मानदंडों के प्रवर्तन पर व्यापक चर्चा को उजागर कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली व पड़ोसी राज्यों को प्रदूषक वाहनों पर रोक लगाने का निर्देश

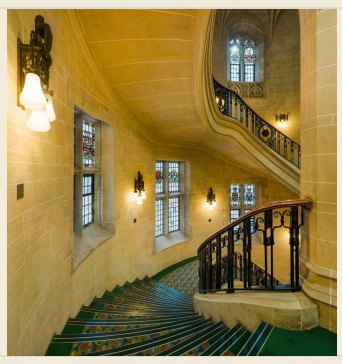

दिल्ली में वायु गुणवत्ता लगातार सुरक्षित मानकों से नीचे गिरती रही है, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं। इस पर प्रतिक्रिया स्वरूप सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप कर, वाहन उत्सर्जन को कम करने के लिए निर्देश जारी किए हैं, क्योंकि यह धुंध का मुख्य कारण माना जाता है।

अदालत ने दिल्ली और उसके तीन पड़ोसी राज्यों को प्रदूषक वाहनों को नियंत्रित करने हेतु ठोस कदम उठाने का आदेश दिया है। यद्यपि विशिष्ट उपायों का विवरण नहीं दिया गया, लेकिन यह निर्देश सीमा-पार सहयोग की आवश्यकता पर बल देता है, क्योंकि प्रदूषण का प्रभाव पूरे क्षेत्र में महसूस किया जाता है।

राज्य सरकारें अब कड़ी उत्सर्जन मानकों को लागू करने, पुराने डीज़ल वाहनों को धीरे-धीरे हटाने और स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने जैसे उपायों की योजना बना रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अनुपालन के लिए समयसीमा निर्धारित की है और आगे की सुनवाई में प्रगति की समीक्षा करेगा।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि एकीकृत रणनीति ही वायु गुणवत्ता में वास्तविक सुधार ला सकती है। अदालत का हस्तक्षेप इस समस्या की तात्कालिकता को रेखांकित करता है और राज्य सरकारों पर शीघ्र कार्रवाई करने का दबाव बनाता है।

आगे के कदमों में विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ अदालत को प्रस्तुत की जाएँगी, जिसके बाद आवश्यकतानुसार अतिरिक्त न्यायिक निगरानी भी हो सकती है।

मौसम

स्थानीय प्रदूषण स्रोतों से दिल्ली की हवा बन रही है जहरीली



दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ रही है, क्योंकि स्थानीय स्रोतों से उत्सर्जन में वृद्धि का पता चला है। पहले मुख्य रूप से क्षेत्रीय और मौसमी कारकों को धुंध के कारण माना जाता था, पर अब राजधानी के भीतर की गतिविधियों को प्रमुख योगदानकर्ता बताया जा रहा है। ट्रैफ़िक जाम, निर्माण धूल और कचरे का जलाना इन स्थानीय उत्सर्जकों में शामिल हैं, जो कण पदार्थों की मात्रा को बढ़ा रहे हैं।

स्रोतों के संयुक्त प्रभाव से प्रदूषक स्तर सुरक्षित सीमा से ऊपर जा रहे हैं। नागरिकों को विशेषकर श्वसन रोगियों को बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि सूक्ष्म कण (PM2.5) की सांद्रता लगातार उच्च बनी हुई है।

प्राधिकरणों से स्थानीय उत्सर्जन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी और सख्त नियंत्रण लागू करने का आग्रह किया जा रहा है। डीज़ल वाहन प्रतिबंध, निर्माण स्थलों का नियमन और खुले में जलाने पर रोक जैसे त्वरित कदम उठाकर जहरीली हवा को कम करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने की सलाह दी गई है।

शिक्षा

दिल्ली के छात्र ने नवाचारपूर्ण वायु शोधक के लिए जीता प्रतिष्ठित डायना अवार्ड



दिल्ली के एक छात्र को अपने समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उन्हें दी जाने वाली प्रतिष्ठित डायना पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार उन्हें एक किफायती और प्रभावी वायु शोधक बनाने के लिए दिया गया है। उन्होंने एक साधारण पंखे और केवल 140 रुपये का फिल्टर इस्तेमाल किया, यह दिखाते हुए कि सुलभ तकनीक वायु गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

विदेश

चीन के लाइवस्ट्रीमर्स ने बांग्लादेश को दिल्ली बताकर दिखाया, भारत का MEA ने प्रतिक्रिया दी

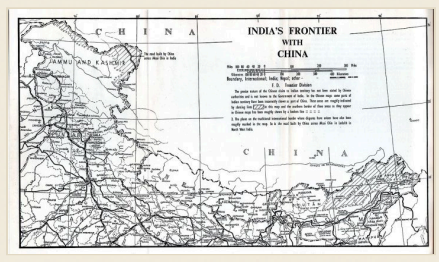

एक दिन, चीनी लाइवस्ट्रीमर्स ने बांग्लादेश के विभिन्न स्थानों के फुटेज को दिल्ली के रूप में दिखाते हुए प्रसारित किया।

इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी किया, जिसमें इस गलत सूचना की निंदा की गई।

यह घटना सोशल मीडिया पर सीमा पार गलत सूचना के बढ़ते मुद्दे को उजागर करती है।

विदेश मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई की मांग की, परंतु यह स्पष्ट नहीं है कि लाइवस्ट्रीमर्स पर कोई कानूनी या राजनयिक कदम उठाया जाएगा।

दिल्ली के अस्पतालों में हर चौथा रोगी सांस की समस्या से जूझ रहा है



दिल्ली के एक स्वास्थ्य सर्वेक्षण ने बताया है कि शहर के अस्पतालों में भर्ती हर चौथा रोगी सांस लेने में कठिनाई का सामना कर रहा है। पिछले महीने के दौरान कई सार्वजनिक और निजी अस्पतालों से एकत्रित डेटा ने इस पैटर्न को स्पष्ट रूप से उजागर किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस वृद्धि के पीछे वायु प्रदूषण, मौसमी तापमान में बदलाव और हालिया वायरल संक्रमणों के बाद के प्रभावों का मिश्रण है। राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर अस्वस्थ स्तर पर रहता है, जिससे अस्थमा, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और तीव्र श्वसन संक्रमण जैसी बीमारियों में वृद्धि होती है।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को ऑक्सीजन की आपूर्ति को प्राथमिकता देने, श्वसन देखभाल इकाइयों का विस्तार करने और मास्क पहनने तथा इनडोर वायु शोधन जैसे उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया है। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ मिलकर अल्पकालिक शमन रणनीतियों पर काम करने की योजना भी घोषित की गई है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वर्तमान आंकड़े चिंताजनक हैं, लेकिन समय पर उपाय और जनता का सहयोग इस प्रवृत्ति को घटा सकता है और चिकित्सा सुविधाओं पर दबाव को कम कर सकता है।

मौसम

सोमवार दिल्ली के प्रदूषण का 80% कारण पटाखे, टाइम्स ऑफ़ इंडिया

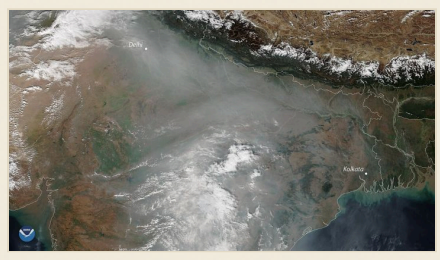

दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता में तीव्र गिरावट दर्ज की गई, जहाँ दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के अनुसार लगभग 80% प्रदूषण का कारण पटाखे उपयोग बताया गया, जैसा कि टाइम्स ऑफ़ इंडिया ने रिपोर्ट किया। इस मूल्यांकन में धुएँ के कणों (PM2.5 और PM10) के स्तर को ट्रैफ़िक व औद्योगिक उत्सर्जन से अलग-अलग मापा गया।

के साथ हुई, जो आमतौर पर राजधानी में प्रदूषण के स्तर को बढ़ा देती है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि कणों की सांद्रता खतरनाक सीमा से ऊपर चली गई, जिससे संवेदनशील वर्गों के लिए स्वास्थ्य सलाह जारी की गई।

पर्यावरण विशेषज्ञों ने आवासीय क्षेत्रों में पटाखों पर प्रतिबंध के कड़े पालन की आवश्यकता दोहराई, क्योंकि हर साल इस तरह के प्रदूषण के उछाल की प्रवृत्ति देखी जाती है। यह रिपोर्ट दिल्ली जैसे अत्यधिक प्रदूषित शहर में सांस्कृतिक उत्सव और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाने की चुनौती को उजागर करती है।

टेक्नोलॉजी

सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप को डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी रोकने के उपाय बताने को कहा



सुप्रीम कोर्ट ने, जो झूठी गिरफ्तारी संदेशों से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था, लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप व्हाट्सएप को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें इसे अपनी सुरक्षा उपायों की जानकारी देने को कहा गया है। अदालत ने व्हाट्सएप से तकनीकी और नीति-आधारित कदमों का विस्तृत विवरण मांगा है, जिससे पुलिस या अन्य प्राधिकरणों का नकल करके भेजे जाने वाले धोखाधड़ी वाले संदेशों को पहचाना और रोका जा सके। व्हाट्सएप ने पहले भी उपयोगकर्ताओं को ऐसे स्कैम के बारे में चेतावनी दी थी और आधिकारिक संचार की सत्यता जांचने की सलाह दी थी, पर अब सुप्रीम कोर्ट एक औपचारिक कार्ययोजना चाहता है। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम डिजिटल misinformation और इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफ़ॉर्म की जिम्मेदारी को लेकर बढ़ती चिंताओं को दर्शाता है। व्हाट्सएप को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करना होगा, जिसके बाद कोर्ट प्रस्तावित उपायों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करेगा।